



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 188]
No. 188]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 31, 2003/श्रावण 9, 1925
NEW DELHI, THURSDAY, JULY 31, 2003/SRAVANA 9, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 2003

सं. 19(आर ई-03)/2002—2007

फा. सं. 01/94/180/प्रक्रिया पुस्तक/ए एम 03/पीसी-IV.—निर्यात और आयात नीति, 2002—2007 के पैरा 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्वारा प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करते हैं—

1 पैराग्राफ 2.2 संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

“जबतक अन्यथा विशेषतः प्रावधान न किया गया हो, आयात/निर्यात किसी भी देश से/को वैध होगा। तथापि, इराक से/को हथियारों और उनसे संबंधित साजोसामान का आयात/निर्यात निषिद्ध होगा।”

उपर्युक्त प्रावधान, तथापि, आई टी सी (एच एस) की अनुसूची-2 के तहत यथा आवश्यक सभी शर्तों अथवा लाइसेंस की आवश्यकता की शर्त के अधीन होंगे।

परिशिष्ट-31 में यथा उल्लिखित लीबिया को मदों का निर्यात निषिद्ध होगा।

2. निम्नलिखित को पैराग्राफ 2.55.1

“विगत लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान किए गए निर्यातों के पोत पर्यन्त निशुल्क मूल्यों के 1 प्रतिशत तक सीमाशुल्क अधिसूचना संख्या-21/2002 दिनांक 1-3-2002 (समय-समय पर यथा संशोधित) की सूची 28क में यथा विनिर्दिष्ट माल के शुल्क मुक्त आयातों हेतु विगत लाइसेंसिंग वर्ष में 20 करोड़ या उससे अधिक के निर्यात कारोबार करने वाले कृषि रासायनिक क्षेत्र यूनिट को अनुमति होगी। यह सुविधा केवल उस विनिर्माता को उपलब्ध होगी जिनकी अनुसंधान और विकास विंग वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के पास पंजीकृत हो बशर्ते कि उक्त अधिसूचना की शर्त संख्या 53क की पूर्ति होती हो।”

पात्र यूनिट परिशिष्ट-34क में उल्लिखित प्रपत्र में क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को आवेदन कर सकते हैं जिसके क्षेत्राधिकार के तहत कम्पनी का पंजीकृत कार्यालय या फर्म का मुख्यालय स्थित हो।

क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी सनदी लेखाकार द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित तथा यूनिट द्वारा की गई घोषणा के आधार पर आवेदन का सत्यापन करेगा।

3. प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) के पैराग्राफ 4.51 को निम्नवत संशोधित किया जायेगा:-

‘डी ई पी बी स्कीम के तहत आयातित वस्तुएं, जिनमें खराबी पायी गयी है अथवा जो प्रयोग के लिए अनुपयुक्त है, राजस्व विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार उन्हें पुनः निर्यात किया जा सकता है। ऐसे मामलों में जमा राशि का 98 प्रतिशत जो इन वस्तुओं के निर्यात के लिए डी ई पी बी के मदे डाला गया है, सम्बंधित सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा एक प्रमाण पत्र के अनुसार जेनरेट किया जायेगा, जिसमें वसूल की गयी रकम तथा मूल डी ई पी बी का ब्यौरा दिया गया है। सम्बंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा इस प्रमाण पत्र पर आधारित, एक नया डी ई पी बी जारी किया जायेगा। इस प्रकार जारी नया डी ई पी बी का वही पंजीकरण पत्तन होगा तथा यह ऐसी खराब/प्रयोग के लिए अनुपयुक्त वस्तुओं के आयात की तारीख, पर उपलब्ध शेष अवधि के बराबर अवधि के लिए वैध होगा।’

4. सार्वजनिक सूचना संख्या 18 (आर ई-03)/2002-2007 दिनांक 24-7-2003 के पैराग्राफ 2 (घ) को निम्नवत ठीक किया गया है:-

‘हम/मैं आश्वासन देते हैं/देता हूँ कि आयातित वस्तुएं आयातक की फैक्टरी में आयात की तारीख से 6 महीने के अन्दर स्थापित कर दी जायेंगी। इन वस्तुओं के स्थापना की तारीख से सात वर्ष तक न तो इन्हें हस्तान्तरित किया जा सकेगा और न ही इन्हें बेचा जा सकेगा।’

5. उत्पाद समूह-वस्त्र से सम्बंधित यार्न डाईड मेड अप्स के निर्यात के सम्बंध में कई डी ई पी बी लाइसेंसों की अवधि व्याख्या में भिन्नता तथा ऐसे डी ई पी बी के सत्यापन में देरी की वजह से समाप्त हो चुकी हैं। इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि उत्पाद समूह-वस्त्र (उत्पाद कोड-89) की क्रम संख्या 69 और 72 से सम्बंधित डी ई पी बी को लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा आवेदन तथा टी आर/200 रुपये के डिमाण्ड ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर ऐसे पृष्ठांकन की तारीख से 6 महीने की अवधि के लिए पुनः वैध किया जायेगा। तथापि, लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा उन मामलों में पुनः वैधता नहीं दिया जायेगी जहाँ गलत बयानी/धोखाधड़ी देखने में आई है अथवा न्यायनिर्णय आदेश पहले ही पारित किया जा चुका है।

इस लाक हित में जारी किया जाता है।

एल. मानसिंह, महानिदेशक, विदेश व्यापार

परिशिष्ट-34 क

समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 21/2002 दिनांक 1-03-2002 के अनुसार महानिदेशक विदेश व्यापार के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा कृषि रसायन क्षेत्र की ईकाईयों के निर्यात निष्पादन को प्रमाणित करने के लिए आवेदन पत्र

नोट:-कृपया इस प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 2.55 का अवलोकन करें

1. आवेदक का नाम
और पता
2. आयातक निर्यातक
कोड नम्बर
3. निर्यात एवं आयात
की हकदारी का ब्यौरा

गत लाइसेंसिंग वर्ष का वास्तविक निर्यात (करोड़ रु० में)	वास्तविक निर्यातों का जहाज प्रयन्त निःशुल्क मूल्य के 1 प्रतिशत दर से हकदारी	सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 21/ 2002 के अधीन पहले से किया गया संचित आयात (करोड़ रु० में)	अधिशेष आयात हकदारी (करोड़ रु० में) (2)-(3)	इस आवेदन के अन्तर्गत किए जाने वाले आयात का सी आई एफ मूल्य (करोड़ रु० में)	आयात की शेष हकदारी (4)-(5)
1	2	3	4	5	6

मालिक/साझेदार/निदेशक, द्वारा घोषणा/वचनबद्धता

- क. “हम/मैं एतद्वारा घोषणा करते हैं/करता हूँ कि उक्त वस्तुओं का आयात सिर्फ अनुसंधान और विकास के उद्देश्य से किया जा रहा है।
- ख. मैं/हम एतद्वारा वचन देता हूँ/देते हैं कि सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 21/2002 के अधीन 2003-2004 के दौरान आयात की गई वस्तुओं का कुल मूल्य, वित्तीय वर्ष 2002-2003 में किए गए निर्यातों के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।
- ग. मैं/हम एतद्वारा वचन देता हूँ/देते हैं कि आयात की गई वस्तुओं को आयात की तारीख से 6 माह के भीतर आयातक की फैक्टरी में स्थापित कर दिया जायेगा। इन वस्तुओं को स्थापना की तारीख से 7 वर्ष की अवधि तक बेचा/हस्तान्तरित नहीं किया जायेगा।
- घ. “हम/मैं एतद्वारा घोषणा करते हैं/करता हूँ कि इकाई द्वारा किए गए आयात का उद्देश्य, कृषि रसायन क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास करना है।
- ड. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि इकाई के अनुसंधान एवं विकास विम जिसने उक्त आयात किया है वह भारत सरकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान और औद्योगिक अनुसंधान विभाग के साथ पंजीकृत है।
- च. हम/मैं एतद्वारा घोषणा करते हैं/करता हूँ कि उपरोक्त कथन सत्य एवं सही है और इसमें कुछ भी छुपाया नहीं गया है। मैं/हम पूर्णतया आश्वस्त हैं कि दावे में दी गई कोई सूचना गलत/असत्य सिद्ध होती है तो विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 और विदेश व्यापार विनियमन नियम 1993 और इसके तहत जारी किए गए आदेशों तथा लागू अन्य किसी कानून के तहत दण्डात्मक कार्यवाही और अन्य परिणामों के लिए जिम्मेदार होंगे।”

मालिक/साझेदार

निदेशक का नाम

.....

मालिक/निदेशक/

साझेदार के

हस्ताक्षर

पदनाम

दिनांक-----

स्थान-----

सनदी लेखाकार का
प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मैं/हम सत्यापित करता हूँ/करते हैं कि यूनिट के मालिक/साझेदार/निदेशक द्वारा की गयी घोषणा/वचन बद्धता के साथ क्रम सं. 1 से 3 तक इकाई द्वारा प्रस्तुत ब्यौरा सत्य एवं सही हैं।

सनदी लेखाकार का नाम:

सीए नं.....

पता.....

विदेश व्यापार महानिदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा सत्यापन

यह सत्यापित किया जाता है कि उक्त परिशिष्ट में पार्टी द्वारा प्रस्तुत किया गया ब्यौरा जिन्हें सनदी लेखाकार द्वारा सत्यापित किया गया है इस कार्यालय में इकाई द्वारा प्रस्तुत किए गए रिकार्ड के अनुसार सही है। सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 21/2002, दिनांक 01-03-2002 की 28-क में दी गई सूची के अनुसार रूपए.....
.....रूपए (शब्दों में) के शुल्क मुक्त आयात के लिए उपरोक्त सीमाशुल्क अधिसूचना में दी गई शर्तों के अधीन, प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।

दिनांक: _____

स्थान: _____

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 31st July, 2003

No. 19(RE-03)/2002—07

F. No. 01/94/180/Handbook/AM 03/PC-IV.—In exercise of powers conferred under paragraph 2.4 of the Export and Import Policy, 2002—2007, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendment in the Handbook of Procedures (Vol. 1):

1. Paragraph 2.2 may be amended to read as under:-

‘Unless other specifically provided, import/export will be valid from/to any country. However, import/exports of arms and related material from/to Iraq shall be prohibited.

The above provisions shall, however, be subject to all conditionality, or requirement of licence, or permission, as may be required under Schedule II of ITC (HS).

Export of items to Libya as listed out in Appendix-31 are prohibited’.

2. The following shall be added as paragraph 2.55.1.

‘Duty free imports of goods as specified in list 28A of Customs notification No. 21/2002 dated 1.3.2002, (as amended from time to time) upto 1% of the FOB value of exports made during the preceding licensing year, shall be allowed to agro chemicals sector unit having export turnover of Rs. 20 crore or above during preceding licensing year. Such facility shall be available only to a manufacturer having a research and development wing registered with Deptt. of Scientific and Industrial Research in Ministry of Science and Technology subject to fulfilment of condition no.53A of the said notification.

The eligible unit apply in the form given in Appendix-34A to the Regional Licensing Authorities under whose jurisdiction the registered office of company or head office of the firm is located.

The Regional Licensing authority shall verify the application on the basis of the declaration given by the unit and countersigned by Chartered Accountant.

3. Paragraph 4.51 of the Handbook (Vol.1) shall be amended as under:-

‘Goods imported under DEPB scheme, which are found defective or unfit for use, may be re-exported, as per the guidelines issued by the Department of Revenue. In such cases 98% of the credit amount debited against DEPB for the export of such goods, shall be generated by the concerned Commissioner of Customs in the form of a Certificate, containing the amount generated and the details of the original DEPB. Based on the certificate, a fresh DEPB shall be issued by the concerned Licensing Authority. The fresh DEPB, so issued, shall have the same port of registration and shall be valid for a period equivalent to the balance period available on the date of import of such defective/unfit goods’.

4. The paragraph 2(d) of Public Notice No. 18(RE-03)/2002-07 dated 24.7.2003 shall be corrected to read as under:-

'We/I hereby undertakes that the goods imported would be installed in the factory of the importer within six months from the date of importation. These goods would not be transferred or sold for a period of seven years from the date of installation'.

5. A number of DEPB licences have expired in respect of export of yarn dyed madeups relating to product group – textiles due to differences in interpretation and delays in verification of such DEPB. It has therefore been decided that DEPB relating to S.No 69 and 72 of Product Group – Textiles (Product Code 89) shall be revalidated for a period of 6 months from the date of such endorsement by the licencing authority against submission of a request and TR/ demand draft for Rs 200. However no revalidation shall be granted by the licensing authority in cases where misrepresentation/ fraud has come to the notice of the licensing authority or adjudicating orders have already been passed.

This Issues in public interest.

L. MANSINGH, Director General of Foreign Trade

APPENDIX –34-A

APPLICATION FOR CERTIFICATION OF EXPORT PERFORMANCE OF UNITS IN AGRO CHEMICALS SECTORS BY THE REGIONAL OFFICES OF THE DGFT AS PER CUSTOMS NOTIFICATION NO 21/2002 DATED 1.03.2002 AS AMENDED FROM TIME TO TIME.

Note: Please refer paragraph 2.55 of this Handbook.

1. Name and Address of the Applicant :
2. IEC Number :
3. Details of exports and import entitlement: :

Preceding licensing year's physical exports (in Rs crores)	Entitlement @ 1% of the FOB value of physical exports	Cumulative imports already undertaken under Customs Not 21/2002 (in Rs. Crores)	Balance import entitlement (in Rs. crores) (2) - (3)	CIF Value of Import to be undertaken under this application (In Rs. crores) (5)	Balance entitlement of imports (4) - (5) (6)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

Declaration/Undertaking by the Proprietor/Partner/Director

- a. We/I hereby declare that the said goods are to be imported for Research and Development purpose only
- b. We/ I hereby undertake that the total value of goods imported during 2003-2004 under Customs Notification No 21/2002 will not exceed 1% of the FOB value of exports in the financial year 2002-2003.
- c. We/I hereby undertake that the imported goods would be installed in the factory of the importer within 6 months of the date of importation. These goods would not be transferred or sold for a period of 7 years from the date of installation.
- d. We/I hereby declare that the imports by the unit are for Research and Development in the agro chemical sectors.
- e. We/I hereby declare that the Research and Development wing of the unit which has undertaken these imports is registered with the Department of Scientific and Industrial Research in the Ministry of Science and Technology of the Government of India.
- f. We/I hereby declare that the above statements are true and correct and nothing has been concealed or held therefrom. We/I fully understand that any information furnished if proved incorrect or false will render us/me liable for penal action and other consequences as may be prescribed in the FTDR Act 1992, Foreign Trade Regulation Rules, 1993 and Orders framed thereunder, and any other law in force

Name of the Proprietor/
Director (s)/ Partner (s)

Signature of the
Proprietor/Director(s)/
Partner(s):

Designation

Date:

Place:

CHARTERED ACCOUNTANTS CERTIFICATE

This is to certify that the We/ I have verified the details furnished by the unit as at S.Nos 1 to 3 along with the Declaration/ Undertaking given by the Proprietor/ Partner/ Director of the unit(s) and find them to be true and correct.

Chartered Accountant's Name:

CA Number:.....

Address

.....

.....

.....

**VERIFICATION BY THE REGIONAL OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF
FOREIGN TRADE**

This is to verify that the details supplied by the firm in the said Appendix have been verified by the Chartered Accountant and are correct as per the records submitted by the Unit to this office. The certificate is issued for allowing duty free import of listed equipment given in List 28-A of the Customs Notification 21/2002 dtd 01.03.2002 for a value of Rs words and figures subject to conditions mentioned in the aforesaid Customs Notification.

Date:.....

Place:.....

Foreign Trade Development Officer
Office of the Joint Director General of Foreign Trade,